an>

Title: Issue regarding encroaching the property of Punjabi emigrants.

श्री धर्म वीर गांधी (पटियाला) : धन्यवाद मैडम। आपने मुझे इस महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूं। महोदया, मैं आपके द्वारा इस सदन का ध्यान पंजाब के प्रवासी भारतीयों की ओर दिलाना चाहता हूं। पंजाब के लोग दशकों से इंग्लैंड, अमरीका, कनाडा, न्यूज़ीलैंड, आस्ट्रेलिया और यूरोप के अन्य भागों से रह रहे हैं। उन्होंने अपनी मेहनत से, वहां अपने लिए ही स्थान नहीं बनाया है, वरन् देश का नाम भी ऊंचा किया है। परन्तु बड़े दुःख की बात है कि हमारे प्रवासी पंजाबियों की, पंजाब में जो जमीन है, सम्पति है, जायदाद है, उनपर कुछ प्रभावशाली राजनैतिक व्यक्तियों द्वारा, पुलिस और भू-माफियाओं की मिली-भगत से कब्जा किया जा रहा है। जब वे लोग अपने केसेज की पैरवी करने के लिए पंजाब आते हैं, तो उन्हें डराया-धमकाया जाता है। एक तरफ हम अपने विदेशी प्रवासी भाइयों से भारत में निवेश करने के लिए, पूंजी लगाने के लिए, विशेष सम्मेलन बुलाते हैं, दूसरी तरफ उनकी पैतृक सम्पतियों पर कब्जा किया जा रहा है। मैंडम जी, मैं सरकार के सामने, सदन के पटल पर, ऐसे दर्जनों उदाहरण रख सकता हूं, जहां प्रवासी पंजाबियों के साथ दुर्व्यवहार किया जाता है। उनकी सम्पतियों पर कब्जे किए जा रहे हैं। मैं सरकार से आग्रह करना चाहता हूं कि वह पंजाब सरकार को तुरन्त निर्देश दे कि इस तरह के सभी मामलों को वह संज्ञान में ले और पंजाबी प्रवासियों के साथ जो व्यवहार हो रहा है, उनका जो शोषण हो रहा है, उनकी जो सम्पतियां जब्त की जा रही हैं, उनको छुड़वाया जाए। वह बहुत मेहनत से कमाते हैं और पंजाब में पैसा भेजते हैं, लेकिन उस पर 12.5 परसेंट की दर से टैक्स लगाया जाता है। इस टैक्स को वापस लिया जाए।